भारतीय प्रबंध संस्थान का मासिक पत्रिका

संस्करण 9, अंक 02: फ़रवरी 2025

विषयसूची

- 76वां गणतंत्र दिवस समारोह
- शोध संगोष्ठियां
- आईआईएम रायपुर द्वारा ई–एमबीए के पांचवें बैच का उद्घाटन
- युवा संगम चरण पाँच
- कार्यक्रम की झलक
- कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श
- पीएच.डी. कार्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ
- मीडिया

"भारतीय प्रबंध सस्थान, रायपुर में 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।"

भारतीय प्रबंध संस्थान,रायपुर ने 'स्वर्णिम भारत – विरासत और विकास' थीम को आत्मसात करते हुए 76वां गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर को प्रेरक भाषणों, मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राष्ट्रसेवा के प्रति दृढ़ संकल्प ने और भी गौरवमयी बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके पश्चात भारतीय प्रबंध संस्थान,रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार कांकाणी का संबोधन हुआ। उन्होंने भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की कहानी पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. अंबेडकर की अटूट दृढ़ता और शिक्षा में विश्वास को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "उनकी कहानी हमें सामाजिक समरसता, शिक्षा की शक्ति और संकल्प की महत्ता का पाठ पढ़ाती है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व में उनका विश्वास हमें आज भी सफलता की ओर मार्गदर्शन करता है।" आगे उन्होंने छात्रों को समावेशिता और उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करते हुए एक सशक्त और समान भारत के निर्माण में योगदान देने की सलाह दी।

मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार की प्रोफेसर, प्रो. मुनमुन गोस्वामी ने एक प्रभावशाली संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने 'स्वर्णिम भारत – विरासत और विकास' विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विरासत और विकास के बीच पारस्परिक संबंध को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'भारत का विकास केवल आर्थिक वृद्धि नहीं है, बल्कि यह गहन सांस्कृतिक विकास की दिशा में भी अग्रसर है।

प्रो. गोस्वामी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और चौटबॉट्स जैसी उन्नत तकनीकों के उभरते उपयोग पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के एक प्रेरणादायक उद्धरण के साथ अपना भाषण समाप्त किया: "उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

कार्यक्रम का समापन भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जिनमें प्रभावशाली काव्य–पाठ, मधुर गायन और एक जीवंत नृत्य प्रस्तुति शामिल थी।

इन प्रस्तुतियों ने विषय–वस्तु को प्रभावी रूप से प्रतिबिंबित किया, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत और विकास की आकांक्षाओं का सुंदर संगम दिखा।

छात्रों एवं संकाय सदस्यों ने इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया। पूरे भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर परिसर में एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना गूंजती रही।

दृष्टि

"एक ऐसा प्रमुख प्रबंधन संस्थान बनना, जो जिज्ञासा, समझदारी और नवाचार को बढ़ावा देते हुए, पढ़ाई और शोध के ज़रिए नेतृत्व की सोच को प्रेरित करे।"

उद्देश्य

"ऐसे भावी लीडर का निर्माण करना जो शोध, अभ्यास और सतत् शिक्षण के माध्यम से प्रबंधन के क्षेत्र में नई सोच और सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम हों।

अनुसंधान कार्यालय ने शोध संगोष्ठियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

जनवरी 2025 में अनुसंधान कार्यालय द्वारा दो शोध संगोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिनमें दो आंतरिक वक्ताओं एवं एक 'लाउंज इंटेलेक्ट (LIT)' वक्ता ने भाग लिया।

क्र.सं.	दिनांक	व्यख्याता	विषय
1	जनवरी 10, 2025	प्रो. संदीप एस	परंपराओं को चुनौती देना: संस्थागत दूरी और भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों की प्रवेश रणनीतिया

2	जनवरी 17, 2025	प्रो. इंदिराह इंदिबारा	प्रतिक्रिया दें या प्रतिक्रिया नहीं दें
3ण	जनवरी 17, 2025	प्रो. धनंजय बापट	संगीत और विपणन

जनवरी 2025 माह हेतु प्रकाशनों की सूची

क्र.सं.	लेखक / संकाय सदस्य	जर्नल का नाम	शीर्षक	श्रेणी
1	प्रो.मनोजित चट्टोपाध्याय	एआईएस ट्रांजैक्शन्स ऑन ह्यूमन–कंप्यूटर इंटरैक्शन (एसोसिएशन ऑफ इंफॉर्मेशन सिस्टम्स)	व्यापार क्षेत्रों में मेटावर्स शोध का विकासः एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और भविष्य के अनुसंधान की दिशा	एबीडीसी–ए
2	प्रो. बद्रीनारायण शंकर पवार	ऑर्गेनाइजेशनल चेंज मैनेजमेंट	कार्यस्थल आध्यात्मिकता अवधारणा विशिष्टतारू अपर्याप्त स्पष्टता, प्रतिकूल प्रभाव, और एक प्रस्तावित समाधान	एबीडीसी–बी
3	डॉ. प्रणीत कुमार रॉय	ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी	सतत निवेश के लिए स्थायी उधारकर्ताओं की पहचान हेतु एक सतत क्रेडिट निर्णय प्रणाली (SCDS) का विकास	;एबीडीसी–एए एबीएस–3द्ध
4	प्रो. जागरूक डावरा	बेस्ट पेपर अवार्ड	उत्पाद विविधता और पैक आकार का बंडल चयन पर प्रभावरू एक मिश्रित–पद्धति अध्ययन के प्रमाण	
5	डॉ. अभिजीत बर्मन	जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट ऑप्टिमाइज़ेशन (श्रप्डए)	दो गोदाम लचीली इन्वेंटरी प्रणाली में हरित निवेश, पुनःपूर्ति रणनीति और अग्रिम भुगतान नीतिरू COVID-19 से प्राप्त सबक	एबीडीसी–बी

6	डॉ. दिप्तिमान बनर्जी	जर्नल ऑफ माइक्रोमार्केटिंग	सामाजिक रूप से उत्तरदायी उपभोग का अंतर और समेकनरू एक बहु–स्तरीय वैचारिक ढांचा और भविष्य के अनुसंधान की दिशा	एबीडीसी–ए
7	डॉ. राजेश पाठक	इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस	अनिवार्य CSR नियमन और उत्तोलन समायोजन का अनुपालनरू एक अर्ध–प्राकृतिक प्रयोग	एबीडीसी–ए
8	डॉ. मोहित गोस्वामी	द बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट	आपूर्ति शृंखला प्रदर्शन पर आपूर्ति शृंखला के डिजिटल परिवर्तन का प्रभावरू एक अनुभवजन्य अध्ययन	एबीडीसी–ए/ एबीएस–3

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने कार्यकारी व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि के पांचवें बैच का शुभारंभ किया

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर जो ' उद्यमियों–के–निर्माण 'के लिए विख्यात एक अग्रणी संस्थान है, ने कार्यकारी व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि (eMBA) के पाँचवें बैच के लिए उद्घाटन समारोह आयोजित किया।

समारोह की शोभा डॉ. निहारिका राय (मानव संसाधन प्रमुख, माइक्रोसॉफ्ट सिक्योरिटी आईडीसी) – मुख्य अतिथि, प्रो. राम कुमार कांकाणी, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर तथा संस्थान के अन्य सम्मानित संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति से बढ़ी।

डॉ. निहारिका राय ने इस बैच में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों के साथ मिलकर व्यापक अनुभव प्राप्त करें, ज्ञान अर्जित करें, पूर्वधारणाओं को चुनौती दें, कोचिंग के अवसरों का लाभ उठाएँ और अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक विकास करें।

सभा को संबोधित करते हुए भारतीय प्रबंध संस्थान,रायपुर के निदेशक, डॉ. राम कुमार कांकाणी ने कहा, "हमारा दो वर्षीय कार्यकारी प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम आपके ज्ञान–स्तर को बढ़ाने तथा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के संपर्क के माध्यम से समग्र विकास प्रदान करने के लिए अभिकल्पित किया गया है। इस वर्ष का बैच उद्योगों एवं विशेषज्ञता के दृष्टिकोण से अद्भुत विविधता को दर्शाता है, जो सामूहिक विकास को प्रोत्साहित करेगा। इन दो वर्षों की सीख के उपरांत आप भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के पूर्व छात्रों (Alumnus) में सम्मिलित होंगे। इन दो वर्षों का अधिकतम लाभ उठाइए।"

कार्यकारी प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम एक ऐसा सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम है, जिसमें सामान्य प्रबंधन के सिद्धांतों, व्यवहारिक दक्षताओं (सॉफ्ट स्किल्स) तथा विश्लेषणात्मक तकनीकों का समावेश किया गया है। यह कार्यक्रम वास्तविक व्यावसायिक परिदृश्यों पर आधारित केस वि''लेषण के माध्यम से कनिष्ठ, मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कार्यकारी अधिकारियों को उनके संबंधित विभागों अथवा संगठनों में नेतृत्व की भूमिका निभाने हेतु सक्षम बनाता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागी दो बार परिसर आगमन के दौरान कुल 15 दिन भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के उत्कृष्ट परिसर में सहभागिता करेंगे।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के सफल नेतृत्व में असम पहुंचा छत्तीसगढ़ का युवा प्रतिनिधिमंडल : सांस्कृतिक आदान–प्रदान यात्रा का प्रभावशाली आयोजन

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर के सहयोग से भारत सरकार की प्रमुख पहल "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत 'युवा संगम चरण–5' का पांच दिवसीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ के 45 विद्यार्थियों को असम में सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अनुभव का अवसर मिला, जिससे 'विविधता में एकता' की भावना को बल मिला तथा जन–जन के मध्य जुड़ाव को प्रोत्साहन मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत असम विश्वविद्यालय, सिलचर में छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई, जहाँ छात्रों ने संवादात्मक सत्रों, परिसर भ्रमण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की। विद्यार्थियों को खगोल विज्ञान और खगोलभौतिकी की खोज का एक अनोखा अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी दूरबीनों में से एक के माध्यम से शनि और बृहस्पति ग्रहों का अवलोकन किया। यह अनुभव आर्यभट्ट खगोल वेधशाला में हुआ। साथ ही, छात्रों को पद्मश्री डॉ. रवि कन्नन आर. से मिलने और बातचीत करने का भी अवसर मिला, जिन्होंने इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए अपने उल्लेखनीय योगदान से विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ से आए प्रतिनिधि भी अपनी इस यात्रा को लेकर उतने ही उत्साहित थे। प्रतिभागियों में से एक छात्र ने साझा किया,"इस कार्यक्रम ने सैद्धांतिक ज्ञान और वास्तविक अनुभव के बीच के अंतर को खत्म कर दिया। असम की जैव विविधता को देखने से लेकर वहाँ की संस्कृति और लोगों से जुड़ने तक का क्षण एक ऐसा शिक्षण अनुभव रहा जिसे हम विद्यार्थी जीवन भर संजोकर रखेंगे।"

छत्तीसगढ़ से आए प्रतिनिधियों ने असम की समृद्ध परंपराओं में पूर्ण रूप से सहभागिता की और बिहू नृत्य एवं अन्य लोक कलाओं की प्रस्तुतियाँ देखीं। उन्होंने छत्तीसगढ़ी संस्कृति को भी संगीत और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिससे दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत आदान–प्रदान स्थापित हुआ।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" पहल के अंतर्गत परिकल्पित 'युवा संगम' कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन, परंपरा , प्रगति , परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख आयामों को बढ़ावा देना है। असम और छत्तीसगढ़ के मध्य हुआ यह सांस्कृतिक आदान–प्रदान इन मूल्यों का सजीव प्रमाण रहा, जिसने आपसी समझ और एकता की भावना को सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम

'प्रोडक्ट ओडिस' एक द्वि–चरणीय ऑनलाइन प्रतियोगिता थी, जिसे नवाचार की दिशा में अग्रसर भावी उत्पाद नवप्रवर्तकों के लिए अभिकल्पित किया गया था। प्रथम चरण में प्रतिभागियों की उत्पाद प्रबंधन अवधारणाओं की समझ को परखने हेतु एक क्विज़ आयोजित की गई। द्वितीय चरण में चयनित टीमों को एक वास्तविक केस अध्ययन प्रदान की गई, जिसमें उन्होंने रणनीतिक सोच, उपयोगकर्ता–केंद्रित अभिकल्पित और व्यावहारिक क्रियान्वयन को दर्शाते हुए समाधान प्रस्तुत किए। यह आयोजन रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक क्षमता और प्रभावशाली उत्पाद रणनीतियाँ गढ़ने की दक्षता प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है।

वॉलीबॉल और थ्रोबॉल प्रीमियर लीग एक प्रतिस्पर्धात्मक टूर्नामेंट था, जिसमें टीम मालिकों ने पहले खिलाड़ियों के मौजूदा पूल से बोली लगाकर अपनी टीमें बनाई। इसके बाद राउंड–रॉबिन प्रारूप में मैच खेले गए। इस रोमांचक प्रतियोगिता में भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए चौंपियन बने।

कार्यकारी शिक्षण एवं परामर्श

वरिष्ठ प्रबंधन (SMP-III) के एक वर्षीय कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम का समापन समारोह उत्साह और गर्व के साथ आयोजित किया गया, जो इस परिवर्तनकारी यात्रा की सफल पूर्णता का प्रतीक बना। इस अवसर पर उन प्रतिभागियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान अद्वितीय प्रतिबद्धता, दृढ़ता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। इस गरिमामयी समारोह की शोभा प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति से बढ़ी, जिन्होंने नेतृत्व, रणनीतिक निर्णय–निर्माण तथा बदलते व्यावसायिक परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। समारोह ने इस कार्यक्रम के प्रभाव को रेखांकित किया, जिसमें प्रतिभागियों को उन्नत प्रबंधकीय कौशल, रणनीतिक सोच तथा जटिल व्यावसायिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता प्रदान की गई।

स्नातकों ने अपने शिक्षण अनुभव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संकाय, मार्गदर्शकों और साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन प्रमाणपत्रों के वितरण के साथ हुआ, जिसके बाद एक नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया, जिसने कार्यक्रम के दौरान बने मज़बूत संबंधों को और मज़बूत किया।

कार्यकारी शिक्षा और कार्यक्रम जनवरी **2025** में संपन्न हुआ				
क्र.सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ एवं समापन तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	कार्यक्रम संकाय (डॉ./प्रो.)
1ण	एचपीसीएल के रिटेल आउटलेट डीलरों हेतु प्रबंधन विकास कार्यक्रम	6–8 जनवरी 2025	30	प्रो. दिप्तिमान बनर्जी (का.नि.) प्रो. हिमांशु एस. श्रीवास्तव (का.नि.)
2ण	एलआईसी के प्रशासनिक अधिकारियों हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम	13 –14 जनवरी 2025	25	प्रो. रश्मि शुक्ला (का.नि.) प्रो. प्रवेश कुमार पदमवार (का.नि.)
3ण	दमोदर घाटी निगम (क्टब) के कार्यपालकों हेतु नेतृत्व विकास कार्यक्रम	14–15 जनवरी 2025	25	प्रो. संजीव पराशर (का.नि.) प्रो. जिज्ञासु गौर (का.नि.)
4ण	राउरकेला स्टील प्लांट (सेल) की महिला कार्यपालकों हेतु नेतृत्व संवर्धन कार्यक्रम	20–21 जनवरी 2025	25	प्रो. सुनीता सग्गुर्थी (का.नि.)
5ण	जिंदल पावर लिमिटेड की महिला कार्यपालकों हेतु नेतृत्व संवर्धन कार्यक्रम	22–24 जनवरी 2025	30	प्रो. अर्चना पराशर (का.नि.) प्रो. मुनमुन गोस्वामी (का.नि.)
6ण	सेल के लिए कार्यकारी नेतृत्व कार्यक्रम – चरण III	28 जनवरी – 01 फ़रवरी 2025	25	प्रो. सत्यसिबा दास (का.नि.) प्रो. सरोज कुमार पाणी (का.नि.) प्रो. अनुभा दाधीच (का.नि.)